Total Pages : 4

KN-338

BBA (Part-I) Examination, 2022

(New Course)

FOUNDATION COURSE HINDI BHASHA

[Paper : First]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Passing Marks : 33

निर्देशः सभी प्रश्न करना **अनिवार्य** है। अंक प्रश्न के समक्ष अंकित हैं।

1. मानक भाषा के स्वरूप एवं लक्षणों पर प्रकाश डालिए। [20]

अथवा

मानक हिन्दी की क्या आवश्यकता है? मानक और अमानक हिन्दी के पाँच-पाँच उदाहरण दीजिए।

2. शुद्ध उच्चारण के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है? इस सन्दर्भ में उच्चारण के किन्हीं पाँच दोषों पर प्रकाश डालिए। [20]

अथवा

निम्नांकित में से **किन्हीं दस** वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

(i) शब्द केवल संकेत मात्र होते हैं।

(ii) ये बातें केवल दिखावा भर थी।

(iii) फल को खूब पका हुआ होना चाहिए।

(iv) उसका प्राण निकल गया।

(v) भिखारी ने राजा को आशीर्वाद प्रदान किया।

(vi) बुद्धिमान बालिका को बधाई।

(vii) विद्वान महिला की जय हो।

(viii) फिर कुछ देर से उसने कहा।

(ix) सभी प्रकार की चीज मौजूद थी।

(x) हमारे बाप दादाओं ने ऐसा किया।

(xi) मै रविवार के दिन कलकत्ता जा रहा हूँ।

(xii) कृष्णा और सुभद्रा भाई–बहिन थी।

3. शब्द कोश में शब्द संधान व अर्थ संधान की प्रक्रिया को समझाइये। [20]

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिये- **(कोई दस)**

अंतर्मुखी,	अनुकूल,	आधार
इहलोक,	उत्कृष्ट,	क्रोध
जागरण,	गृहस्थ,	दुर्जन
पालक,	पुरातन,	सापेक्ष
लघु,	संकल्प,	निर्मल

4. 'पत्र लेखन एक कला है' कथन को स्पष्ट करते हुए अच्छे पत्रों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [20]

अथवा

निम्नांकित गद्यांश का सार लिखिए एवं एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए-

''किसी भी प्रकार की सफलता के ताले को खोलने के लिए परिश्रम नाम की कुंजी की आवश्यकता होती है। सफल जीवन का रहस्य और कुछ नहीं, परिश्रम ही है। परिश्रमी व्यक्ति बाधाओं से मुँह नहीं

मोड़ते वरन और अधिक उत्साह से उसका सामना करते हैं। परिश्रम का दूसरा नाम तपस्या या साधना है। व्यक्ति साधनों से नहीं, साधना से बड़ा होता है जो व्यक्ति आजीवन सुखी रहना चाहता है, वह परिश्रमी होता है। बिना श्रम के प्राप्त की हुई संपदा फलदायी नहीं होती।

5. संक्षेपण का अर्थ स्पष्ट करते हुए संक्षेपण विधि का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [20]

अथवा

किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए।

(i) विज्ञान और औद्योगिक क्रान्ति

(ii) आतंकवाद : समस्या और निदान

(iii) भारतीय नारी : आज और कल

(iv) एक भारत, श्रेष्ठ भारत।।

-----x-----